सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 312 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 20 दिसम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

न्याय हमेशा समानता के विचार को पैदा करता है।
-डॉ भीमराव अंबेडकर

भारतीय महिला टीम ने 2-1 से ... 7 | महायुति सरकार में अब भी... 3 | 'कहानी गढ़ने में माहिर है... 2

अंबेडकर को लेकर नहीं थमा संग्राम, पूरे देश में गृहमंत्री शाह के खिलाफ कोहराम

- नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ एफआईआर को लेकर कांग्रेस सड़क पर उतरी
- प्रियंका गांधी वाड्रा बोलीं राहुल गांधी किसी को धक्का नहीं दे सकते
- संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित
- विपक्ष बोला- एनडीए सरकार ने किया निराश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से राज्यसभा में डॉ. बी. आर अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध में विपक्षी गठबंधन के सांसदों का विरोध प्रदर्शन आज भी जारी रहा। कांग्रेस समेत इंडिया के कई दलों ने सड़क से लेकर संसद तक एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला।

उधर कांग्रेस ने पूरे देश में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर को लेकर भी पीएम मोदी को घेरा। वहीं हंगामें के चलते संसद की कार्यवाही अनिश्तिकाल के लिए स्थगित कर दी गई। हालांकि संसद परिसर में धरना प्रदर्शन जारी रहे। राज्यसभा की कार्यवाही भी 12 बजे फिर शुरू हुई, लेकिन हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

एक देश एक चुनाव संबंधी दो विधेयक जेपीसी को भेजने की संसद ने दी मंजूरी

लोकसभा ने देश में एक साथ चुनाव कराने से संबंधित दो विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सदन की कार्यसूची में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की ओर से शुक्रवार को दोनों विधेयकों को एक संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव है। समिति में लोकसभा के 27 और राज्यसभा के 12 सदस्य शामिल होंगे।

समय का अधिकांश हिस्सा व्यवधान में बर्बाद : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, मैं बहुत निराश हूं। मुझे लगता है कि हमारे देश में कई ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर चर्चा होनी चाहिए। दुख की बात है कि इस समय का अधिकांश हिस्सा व्यवधान में बर्बाद हो गया है। मुझे लगता है कि हमने भारत के लोगों को निराश किया है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। संसद बहस और चर्चा के लिए एक मंच है लेकिन व्यवधान के लिए नही है।

राहुल के खिलाफ प्राथमिकी से दिखता है सत्तापक्ष डर गया है : प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने को लेकर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि इस बात से पता चलता है कि सत्तापक्ष में किस स्तर की हताशा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के लोग बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का अपमान सहन नहीं करेंगे। दिल्ली पुलिस ने संसद परिसर में हुई ''धक्का-मुक्की'' के सिलसिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज की। राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संवाददाताओं से कहा, ''आज पूरा देश देख रहा है कि भाजपा के लोगों ने राहुल गांधी जी पर तमाम मामले दर्ज करा रखे हैं। वे नित नई प्राथमिकी दर्ज कराते हैं और झूठ बोलते हैं। यह उनकी हताशा का स्तर दिखाता है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया, ''यह सरकार अडानी पर चर्चा से डरती है, किसी भी चर्चा से डरती है। अब उन्होंने जो किया है, उनके मन में आंबेडकर जी के प्रति जो असली भावना थी वह सामने आ गई है। उन्होंने कहा, ''अब वे विपक्ष से डर रहे हैं, क्योंकि अब हम इस मुद्दे को उठा रहे हैं। राहुल कभी किसी को धक्का नहीं दे सकते। मैं उनकी बहन हूं, मैं उन्हें जानती हूं। वे ऐसा कभी नहीं कर सकते। सच कहूं तो, देश भी यह जानता है। ये सब ध्यान भटकाने वाली बातें हैं।

संसद सत्र खत्म हो गया, लेकिन मुद्दा खत्म नहीं होता : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, संसद की कार्यवाही तो खत्म हो जाएगी लेकिन मुद्दा खत्म नहीं होता है। विपक्ष की मांग है कि उन्हें(अमित शाह) अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए। देश को आगे ले जाने के लिए बाबा साहेब का संविधान ही हमें रास्ता दिखाता है और भाजपा समय-समय पर संविधान को कमजोर करने की कोशिश करती है। भाजपा के लोग सबसे पहले असंवैधानिक काम करते हैं, अन्याय करते हैं और जब आप पीड़ित लोगों के पक्ष में खड़े होते हैं तो वे आप पर झूठे मुकदमें लगाते हैं। उन्हें(अमित शाह) अपने शब्द वापस लेने चाहिए और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर जी का अपमान नहीं करना चाहिए।

एफआईआर लोकसभा अध्यक्ष की सर्वोच्चता को चुनौती : धर्मेन्द्र यादव

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर कहा, यह संसद परिसर का मामला है। अगर कोई बात थी तो पहले लोकसभा अध्यक्ष के संज्ञान में जानी चाहिए थी। अध्यक्ष स्तर से इसका समाधान होना चाहिए था। यह संसद और परिषद में हमारे अध्यक्ष की सर्वोच्चता को चुनौती है।

मैनपुरी के स्कूल में अंबेडकर के चित्र को लेकर छात्रों को टीचर ने किया लहूलुहान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनुपरी। संसद में बाबा साहब का अपमान का घमासान के बीच एक बड़ी खबर मैनपुरी से आ रही है। जहां जाटव समाज के बच्चों को वहां की सहायक अध्यापिका अर्चना गुप्ता ने महज इसलिए मार-मार कर लहूलुहान कर दिया कि उन्होंने टीचर का जग छू लिया था। अभिभावकों ने डर के मारे अपने बच्चों को स्कूल से निकाल लिया है और मीडिया में अपनी आपबीती सुनाई। एक बच्ची के दर्द को सुनकर तो रोंगेटे खड़े हो गए। यह होनहार बच्चे स्कूल जाते थे, पढ़ते थे और खुश रहते थे। लेकिन एक टीचर की गंदी मानसिकता के चलते इनका पूरा भविष्य ही दांव पर लग चुका है। मैनपुरी की रिचपुरा कम्पोजिट स्कूल की सहायक अध्यापिका अर्चना गुप्ता ने जाटव समाज से ताल्लुक रखने वाले इन बच्चों को अलग-अलग बहाने से पिटाई कर लहू-लुहान कर रखा है। किसी की पीठ पर संटियों के निशान है तो किसी की टांग पर दंदौड़े। किसी का हाथ खुरचा हुआ है तो कोई ठीक से चल नही पा रहा। रौशनी नाम की बच्ची ने बताया कि टीचर ने उसे इसलिए मारा है कि क्लास का एक अन्य लड़का उससे चिढ़ता था। वह अपनी पीड़ा बता ही रही थी कि उसके पास खड़ी एक अन्य लड़की बोल पड़ी कि सर मुझे इसलिए मारा कि मैने टीचर का जग छू लिया था। बच्चे अपनी रूदाद सुना रहे थे कि पीछे से उनकी मम्मी बोल पड़ी और कहने लगी कि टीचर अम्बेडकर की फोटो से भी आग बबूला रहती थी और कॉपी किताबों से अम्बेडकर के फोटो को हटाने के लिए दबाव बनाती थी। हमने अपने बच्चों को डर के मारे स्कूल से निकाल लिया है।

बच्चों की कॉपी/ किताब पर अंबेडकर की फोटो देखकर भड़की टीचर ने जाटव समाज के बच्चों की पिटाई की

'कहानी गढ़ने में माहिर है भाजपा'

आईसीयू में भर्ती भाजपा सांसद पर अखिलेश यादव ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संसद परिसर में हुए धक्का-मुक्की कांड पर भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। साथ सपा प्रमुख ने फर्रुखाबाद के सांसद मुकेश राजपूत पर भी तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर लिखा भाजपाई सांसद फर्रुखाबाद से सच में जीते थे लेकिन सच जानने वाले जानते हैं कि वो सज्जन पुरुष वोट से नहीं बल्कि प्रशासन के बत्ती गुल करने और लाठीचार्ज करने से ही जीते थे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि अब एक और नया किस्सा बनाया जा रहा है, जिसमें इस बार भी कोई सच्चाई नहीं है। वो एक बार अकेले में जरूर सोचें कि धक्का उनको ही क्यों लगा?

आपको बता दें संसद में गुरुवार को हुए धक्का-मुक्की से फर्रुखाबाद के सांसद मुकेश राजपूत को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात करते हुए वायरल वीडियो को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन पर तंज कसा है। उन्होंने मुकेश राजपूत को लेकर सोशल मीडिया पर टिप्पणी भी की है। गुरुवार को संसद भवन के बाहर प्रदर्शन करने के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित धक्का-मुक्की करने के आरोप में भाजपा सांसद हेमांग जोशी ने उनके खिलाफ संसद मार्ग थाने में शिकायत दी है। उन्होंने आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी द्वारा धक्का-मुक्की करने से भाजपा के दो सांसदों को गंभीर चोट आई है।

यूपी विस सत्र का समापन, सपा ने उठाए कई सवाल

विधानसभा में भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के अपमान के मुद्दे पर सपा ने बृहस्पतिवार को सदन में जोरदार हंगामा किया। चौथे दिन सदन की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भारी शोर-शराबे की बीच सभी विधायी कार्य निपटाने के बाद सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सपा सदस्य डॉ. आंबेडकर की फोटो हाथ में लेकर वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने उनसे बार-बार अपनी सीट पर जाने की अपील की, लेकिन वे नहीं माने। सपा सदस्यों की नारेबाजी से प्रश्नकाल भी नहीं हो पाया। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष प्रश्न लगाने वाले सपा विधायकों से अपने सवाल पूछने का अनुरोध करते रहे। करीब एक घंटे तक चली कार्यवाही के दौरान जय भीम, बाबा साहब का मिशन अधूरा-अखिलेश यादव करेंगे पूरा, बाबा साहब का अपमान-नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारे गूंजते रहे।

आराधना मिश्रा का सवाल शोर में दबा

कांग्रेस की आराधना मिश्रा मोना सवाल पूछना चाहती थीं, लेकिन शोरगुल से उनकी

आवाज दब गई। इस पर महाना ने कहा कि नेता विपक्ष तो पूरे विपक्ष के नेता हैं। आप उनके पास जाकर यह हंगामा बंद कराने को बोलिए। आराधना ने इसका प्रयास भी किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

मजदूरों के हक पर डाका डाल रही है भाजपा सरकार: अमित

समाजवादी मजदूर सभा प्रदेश कार्यकरणी की ओर से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की गई। मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव डॉ अमित यादव ने कहा कि भाजपा शासनकाल में मजदूरों के हक पर डाका डाला जा रहा है। समाजवादी पार्टी मजदूरों को एकजुट करके इस लूट को खत्म कराएगी। डॉ. अमित यादव ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन के बजाय देश को वन नेशन वन मजदूरी की जरूरत है। मोदी सरकार की खराब विदेश नीति के कारण प्रवासी मजदूरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रदेश अध्यक्ष धनी लाल श्रमिक ने कहा कि मजदूर सभा हर प्रदेश में अलग अलग सेवा क्षेत्र के मजदूरों को एकजुट कर उनकी समस्याओं को लेकर आंदोलन शुरू करेगी।

प्रभात को न्याय दिलाने के लिए हमेशा साथ खड़े हैं: अजय राय

» भड़के कांग्रेस अध्यक्ष बोले-24 कैरट ब्राह्मण हूं, झूठा नहीं हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित कांग्रेस कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत पर सियासत गर्मा रही है। गुरुवार को गोरखपुर में प्रभात का अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी पहुंचे। यहां पर वह भड़क गए। अपना जनेऊ दिखाते हुए कहा कि यह देख लो, हम 24 कैरट ब्राह्मण हैं, झूठे नहीं हैं, महादेव के भक्त हैं। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मृतक प्रभात पांडेय के परिवार को 10 लाख रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। साथ ही न्याय दिलाने के लिए हमेशा साथ खड़े रहने की बात कही।

अंतिम संस्कार के बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, कालेसर बगहा बाबा मुक्तिधाम पहुंचे। यहां लोगों ने नारेबाजी करते हुए उन्हें आने से रोका। चिता के पास जाने से मना कर दिया। इस पर उन्होंने कहा कि आपका बेटा, भतीजा और भाई मरा है। तो वह मेरा भी कार्यकर्ता था। हम बस हाथ जोड़कर प्रणाम करने आए हैं। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस और सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे, जबकि अन्य लोग राहुल और प्रियंका गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। वहां मौजूद लोगों ने एक पार्टी के लोगों द्वारा कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर बुलाकर मरवाने का आरोप लगाना शुरू कर दिया। इसी बीच तनाव बढ़ता देख पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

अंबेडकर हमारे फैशन ही नहीं बल्कि पैशन हैं: तेजस्वी यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के राज्यसभा में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लेकर दिए गए बयान पर देश भर में सियासी हंगामा मचा हुआ है। वहीं, बहन रोहिणी आचार्य और पिता लालू प्रसाद यादव के बाद अब बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव ने भी अमित शाह के इस बयान की निंदा की है।

बोले- अमित शाह माफी मांगें

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर हमारे फैशन ही नहीं, बल्कि पैशन, इंस्पिरेशन और मोटिवेशन भी हैं। उक्त बातें पूर्णिया जिले में निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे तेजस्वी यादव ने कही है। पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि ये लोग (भारतीय जनता पार्टी के नेता) दलित विरोधी लोग हैं। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी ने कहा, हमेशा से ये बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के संविधान विरोधी लोग रहे हैं और उनके मन में क्या है बाबा साहब आंबेडकर के प्रति, ये 17 सेकेंड के वीडियो में ही सामने आ चुका है। 17 सेकेंड के वीडियो में जो हाव-भाव और बॉडी लैंग्वेज और भाषा रही, इसकी कितनी भी निंदा की जाए कम है। अमित साह को बाबा साहब के प्रति दिए बयान पर माफी मांगना चाहिए। बाबा साहब आंबेडकर हम सभी के फैशन भी हैं, इंस्पिरेशन भी हैं और मोटिवेशन भी हैं।

मप्र में स्कूलों से 22 लाख बच्चे गायब मोहन सरकार मौन: जीतू

» पीसीसी चीफ बोले- प्रदेश के बच्चों का भविष्य चौपट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपने एक बयान में कहा है कि प्रदेश की कानून और शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त और चरमराई हुई है। स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में चिंताजनक गिरावट दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश की स्कूली शिक्षा के हालात इतने बदतर है कि पिछले आठ साल से स्कूलों से 22 लाख बच्चे गायब हैं, स्कूलों से रोज 1000 बच्चें कम हो रहे हैं।

इतनी बड़ी संख्या में स्कूलों से बच्चों के गायब होने और कम होने के बावजूद भी स्कूल शिक्षा विभाग स्कूलों पर कोई उचित और दिखाई देने वाली सख्त कार्यवाही क्यों नहीं करती? दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि प्रदेश की मोहन सरकार भी बच्चों के गायब होने की इन अमानवीयता पर मूकदर्शक बनी मौन बैठी है। पटवारी ने प्रदेश में सरकारी शिक्षकों द्वारा बच्चों को स्कूल लाने वाले सरकारी मिशन पर सवाल उठाते हुये कहा कि जिस तरह से यह मिशन चलाया जा रहा है वह केवल कागजी ढकोसला बना हुआ है। स्कूल शिक्षा की अव्यवस्थाओं और लापरवाही के चलते कक्षा एक से पांच तक के 6 लाख 35 हजार 434 बच्चे कम हुए हैं तो कक्षा 6 से 8 तक के 4 लाख 83 हजार 171 बच्चे कम हुए हैं। इतना ही नहीं पिछले आठ साल में सरकारी स्कूलों में 12.23 लाख और निजी स्कूलों में 9.29 लाख बच्चे कम हुये हैं। पटवारी ने कहा कि यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को विधायक प्रताप ग्रेवाल ने एक सवाल के जवाब में विधानसभा की कार्यवाही के दौरान दी है।

सरकारी स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की कमी

पटवारी ने कहा कि निजी स्कूलों में 2011 की कुल संख्या के आधार पर लगभग 20 प्रतिशत एवं सरकारी स्कूलों में 12 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि बच्चों की जनसंख्या में 12 प्रतिशत (12 लाख) की वृद्धि हुई है। इसका मुख्य कारण यह है कि सरकारी स्कूलों में लालफीताशाही और मूलभूत सुविधाओं की कमी और निजी स्कूलों में सरकार के संरक्षण में व्यापारीकरण और लूट-खसोट मची हुई है।

भाजपा सरकार की कोई भी चाल कामयाब नहीं होगी: मायावती

» बोलीं- अपना बयान वापस लें गृह मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर मचे बवाल के बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी बयान जारी किया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री अमित शाह से अपना बयान वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के अनुयायी अमित शाह को कभी माफ नहीं करेंगे और भाजपा की कोई भी चाल कामयाब नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भी हमेशा डॉ. आंबेडकर का विरोध किया है। खुद बाबा साहेब ने भी दलितों को कांग्रेस से दूर रहने की सलाह दी थी। गृहमंत्री के बयान पर विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस नेता व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गृहमंत्री पर बाबा साहेब के अपमान का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। इनके वोटों के लिए मेरे अंबेडकर व तेरे अंबेडकर की यह लड़ाई धक्का-मुक्की तक पर भी आ गई है, यह सब शोभा नही दे रहा है। कांग्रेस ने अगर संविधान को ठीक ढंग से लागू किया होता तो फिर बाबा साहब कानून मंत्री पद से इस्तीफा क्यों देते? उस पार्टी के लोग संविधान की जो प्रति दिखाते रहते हैं ,उन्होंने संविधान पर रत्ती भर भी अमल नहीं किया।

महायुति सरकार में अब भी जारी है नाराजगी का खेल!

फडणवीस ने सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की, उद्धव ने भी दिया साथ

एनसीपी नेता छगन भुजबल मंत्री न बनाए जाने से नाराज

» महाराष्ट्र में अब भी सियासी रस्साकसी जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महायुति सरकार बन चुकी है। भाजपा के नेता देवेन्द्र फडणवीस सीएम, एनसीपी व शिवसेना नेता क्रमशः अजित पवार व एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम बन चुके हैं। एक पखवारे के बाद भी तीनों पार्टियों के बीच से किसी के नाराज होने या आपस में तकरार की खबरें आना थम नही रही हैं। ऐसी खबरें आर रही हैं एनसीपी नेता छगन भुजबल मंत्री ने बनाए जाने नाराज है उनका दर्द उनके बयानों में नजर आ रहा हे उधर ऐसी भी बातें उठ रही हैं कि एकनाथ शिंदे भी अंदर खुश नहीं हैं। इनसबके बीच सावरकार भी वहां की राजनीति की चर्चा में आ गए है।

जहां सीएम फडणवीस ने उन्हें भारत रत्न देने की बात कही हैं वहीं उद्धव ठाकरे ने इसका समर्थन कर अलग ही तरह का माहौल बना दिया है। उधर एनसीपी शरत चंद्र गुट के नेता शरद पवार ने पीएम मोदी से किसानों के जत्थे के साथ मुलाकात की इस पर भी सियासी कयासबाजी लगने लगें है हालांकि शरद पवार ने कहा कि इस मुलाकात को राजनीति से न जोड़ा जाए। बता दे उद्धव ठाकरे ने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न नहीं दिया जा रहा है, आज बीजेपी का सीएम है पर उनकी मांग पर विचार नहीं किया जा रहा है, तो भाजपा को वीर सावरकर पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि मैं कांग्रेस और बीजेपी दोनों से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस को सावरकर को निशाना बनाना बंद कर देना चाहिए और बीजेपी को नेहरू को निशाना बनाना बंद कर देना चाहिए।

एनसीपी शरद पवार ने सावरकर पर साधी चुप्पी

महाराष्ट्र में ठाकरे की प्रमुख सहयोगी शरद पवार की एनसीपी ने इस मुद्दे पर चुप रहना चुना है। एनसीपी नेता जितेंद्र अवहाद ने टिप्पणी की, मुझे नहीं पता कि उद्धव ठाकरे ने क्या मांग की या क्या कहा, इसलिए मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने ठाकरे के रुख की आलोचना की है. पार्टी नेता और कैबिनेट मंत्री भरत गोगावले ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने मांग की है और यह ठीक है. वीर सावरकर को भारत रत्न देने के मामले पर महायुति के नेता सामूहिक रूप से फैसला करेंगे।

महायुति सरकार एक ईवीएम सरकार

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि सरकार द्वारा पेश किया गया एक चुनाव, एक राष्ट्र ध्यान भटकाने का प्रयास है और अगर लोगों को संदेह है तो मतपत्र पर चुनाव कराने को कहा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव आयुक्त भी जनता द्वारा चुना जाना चाहिए। एक सम्मेलन में बोलते हुए, ठाकरे ने चुनाव में विसंगतियों का आरोप लगाते हुए कहा कि शिंदे गुट की शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी और एनसीपी के बीच गठबंधन वाली महायुति सरकार एक ईवीएम सरकार है। फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार को विधानसभा चुनाव से पहले किए गए वादे के अनुसार लाडकी बहिन योजना के तहत महिलाओं को 2,100 रुपये प्रति माह देने चाहिए। उद्धव ठाकरे ने नागपुर में पत्रकारों से कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रस्ताव को लागू करने से पहले चुनावों को पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। ठाकरे ने कहा कि यह सरकार ईवीएम सरकार है। ईवीएम सरकार को शुभकामनाएं। यह उनका पहला सत्र है. चुनाव में जीत के बाद कोई जश्न नहीं मनाया गया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र कैबिनेट का विस्तार हुआ तो भी नाराजगी की बातें सामने आईं। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार तो हुआ लेकिन नाराजगी की चर्चा ज्यादा थी। परंपरा रही है कि सीएम सदन में मंत्रियों का परिचय कराते हैं। सीएम को उन मंत्रियों का परिचय कराना था जिनके खिलाफ ईडी के कई मामले हैं। उन्होंने पूर्व मंत्री से संपर्क के सवाल पर कहा कि भुजबल से अभी मेरी बात नहीं हुई लेकिन वह बीच बीच में मेरे संपर्क में रहते हैं।

अपनी ही सरकार से निराश हैं भुजबल

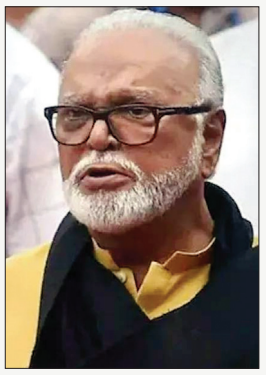

मंत्री पद नहीं मिलने से नाराज वरिष्ठ राकांपा नेता छगन भुजबल ने पार्टी प्रमुख अजित पवार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें नजरअंदाज किया गया और उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया जबकि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस उन्हें शामिल करने के इच्छुक थे। महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को नाराज भुजबल जब नागपुर से अपने गृहनगर नासिक के लिए रवाना हुए, तो उन्होंने कहा कि मराठा सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जारांगे-पाटिल को टक्कर देने और खड़े होने के कारण उन्हें कैबिनेट में जगह नहीं मिली। ओबीसी समुदाय के लिए. जब उनसे उनके भविष्य के कदम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने किशोर कुमार के गाए एक गाने की लाइन जहां नहीं चैना वहां नहीं रहना का हवाला दिया और कहा कि चलो देखते हैं। दुनिया में कोई जंजीर नहीं है। भुजबल ने कहा कि मैं आपके हाथों का खिलौना नहीं हूं जो हर बात पर आंख मूंदकर चलूंगा। छगन भुजबल उस तरह के आदमी नहीं हैं। मुख्यमंत्री (देवेंद्र फडणवीस) चाहते थे कि मैं कैबिनेट में रहूं। मैंने इसका सत्यापन भी किया और मुझे पता चला कि वह मुझे कैबिनेट में शामिल करने पर जोर दे रहे थे। लेकिन मुझे हटा दिया गया। अब, मुझे यह पता लगाना होगा कि इसे किसने अस्वीकार किया। भुजबल ने संकेत दिया कि अजीत पवार ने उनका नाम हटा दिया है। एक बात तो तय है कि हर पार्टी में मुखिया ही इस बारे में फैसला लेता है। ठीक वैसे ही जैसे बीजेपी में फैसला देवेंद्र फडणवीस लेते हैं और शिवसेना में एकनाथ शिंदे फैसला लेते हैं। इसी तरह, अजीत पवार हमारे समूह के लिए निर्णय लेते हैं। हाल ही में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में येओला सीट जीतने वाले भुजबल ने कहा कि राज्य भर से उनके समर्थक नासिक में इकट्ठा होंगे और सभी से सलाह-मशविरा करने के बाद वह अपना भविष्य तय करेंगे।

बीजेपी को सावरकर पर नहीं बोलना चाहिए : उद्धव ठाकरे

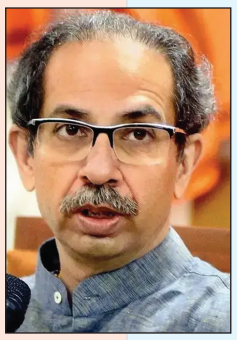

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न देने की अपनी मांग दोहराई। महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए नागपुर में मौजूद ठाकरे ने सम्मेलन को संबोधित किया और भाजपा से सवाल किया कि वे वीर सावरकर को भारत रत्न कब प्रदान करेंगे। वीर सावरकर के संबंध में मैं पूछना चाहता हूं कि उन्हें भारत रत्न क्यों नहीं दिया जाना चाहिए। ठाकरे ने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न नहीं दिया जा रहा है, आज भी वह सीएम हैं जब उनकी मांग पर विचार नहीं किया जा रहा है, तो भाजपा को वीर सावरकर पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि मैं कांग्रेस और बीजेपी दोनों से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस को सावरकर को निशाना बनाना बंद कर देना चाहिए और बीजेपी को नेहरू को निशाना बनाना बंद कर देना चाहिए। हमें अतीत पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय भविष्य के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। दोनों नेता जो भी फैसला लें उनके समय में किए गए कार्य उनके युग के लिए उपयुक्त थे, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी को भी अब बार-बार नेहरू का नाम लेने से बचना चाहिए।

फडणवीस और शिंदे ने आरएसएस संस्थापक हेडगेवार के स्मारक पहुंचे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार सुबह यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक डॉ. के. बी. हेडगेवार के स्मारक पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर के स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोऱ्हे और सत्तारूढ़ भाजपा तथा शिंदे नीत शिवसेना के कई अन्य विधायकों ने भी डॉ. हेडगेवार और गोलवलकर की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संघ के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें आरएसएस का संक्षिप्त परिचय दिया। महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र फिलहाल नागपुर में जारी है।

मोदी व पवार मुलाकात पर लगने लगे कयास

संसद के शीतकालीन सत्र के बीच सदन में एक तरफ जहां हंगामा बुधवार को भी जारी रहा वहीं दूसरी तरफ संसद भवन में बने पीएम कार्यालय में शरद पवार की मौजूदगी को लेकर एक बार फिर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। दअरसल, अलग-अलग तरह की अटकलें लगाए जाने की वजह थी पीएम मोदी से उनकी मुलाकात। जैसे ही ये जानकारी निकलकर सामने आई की शरद पवार पीएम मोदी से मुलाकात करने आए हैं, वैसे ही तरह-तरह के कयास लगाए जाने का दौर सा शुरू हो गया। हालांकि, कुछ देर बाद ही शरद पवार ने ये साफ कर दिया है कि पीएम मोदी की उनकी इस मुलाकात को किसी भी तरह से राजनीति से जोड़कर ना देखा जाए। उन्होंने बताया कि वह पीएम मोदी को एक कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए आए थे और ये मुलाकात भी उसी संदर्भ में थी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद यह पहला मौका था जब शरद पवार पीएम मोदी से मिलने पहुंचे थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भ्रष्टाचार रोकने की बातें सिर्फ हवा-हवाई

पीएम मोदी व राज्यों की बीजेपी सरकारों के भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बातें सिर्फ हवा-हवाई ही साबित हो रहीं हैं। सरकारी एजेंसियों के साथ काम करते समय कंपनियों के काम जानबूझ कर रोके जाते हैं और रिश्वत लेने के बाद ही फाइल को मंजूरी दी जाती है। सीसीटीवी कैमरों लगाने से सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है। केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की सरकारें कितना ही भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का दावा करें किंतु सच्चाई इसके वितरीत है। एक सर्वे में दावा किया गया है कि 100 में से 66 लोगों को अपना काम कराने के लिए सरकारी तंत्र को रिश्वत देनी पड़ती है किंतु सच्चाई इसके विपरीत है। शायद ही कोई विभाग ऐसा होगा जहां बिना रिश्वत दिए काम हो जाए। सब जगह हालत बहुत खराब है। गैर भाजपा राज्यों की तरह भाजपा शासित राज्यों में भी प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचर का बोलबाला है। सरकारें मौन हैं।

देश में केंद्र और राज्य सरकारें कारोबार में सहूलियत और निजी क्षेत्र के निवेश में तेजी लाने पर जोर दे रहीं हैं। वहीं भ्रष्ट सरकारी मशीनरी अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल कंपनियों और उद्यमियों से अवैध तरीके से पैसे उगाहने में लगी हैं, जिसके चलते देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने की सिंगल विंडो क्लियरेंस और ईज आफ डुइंग बिजनेस जैसे प्रयासों को पलीता लग रहा है। कंपनियों ने दावा किया कि उन्होंने सप्लायर क्वॉलीकेशन, कोटेशन, ऑर्डर प्राप्त करने तथा भुगतान के लिए रिश्वत दी है। लोकल सर्कल्स की रिपोर्ट के अनुसार कुल रिश्वत का 75 प्रतिशत कानूनी, माप-तौल, खाद्य, दवा, स्वास्थ्य आदि सरकारी विभागों के अधिकारियों को दी गई। जांच रिपोर्ट कहती है कि कई कारोबारियों ने जीएसटी अधिकारियों, प्रदूषण विभाग, नगर निगम और बिजली विभाग को रिश्वत देने की भी सूचना दी है। पिछले 12 महीनों में जिन कंपनियों ने रिश्वत दी, उनमें से 54 प्रतिशत को ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि 46 प्रतिशत ने समय पर काम पूरा करने के लिए भुगतान किया। इस तरह की रिश्वत जबरन वसूली के बराबर है। सरकारी एजेंसियों के साथ काम करते समय कंपनियों के काम जानबूझ कर रोके जाते हैं और रिश्वत लेने के बाद ही फाइल को मंजूरी दी जाती है। सीसीटीवी कैमरों लगाने से सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है। सर्वे में दावा किया गया है कि सीसीटीवी से दूर, बंद दरवाजों के पीछे रिश्वत दी जाती है। पुराने लोग कहते हैं कि भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे जाता है, किंतु अब ऐसा नहीं है। अब ऊपर की न शिकायते मिलती हैं न चर्चाएं किंतु नीचे तो सब और लूट के द्वार खुलें हैं। कहीं भी जाइए।

केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की सरकारें कितना ही भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का दावा करें किंतु सच्चाई इसके वितरीत है। एक सर्वे में दावा किया गया है कि 100 में से 66 लोगों को अपना काम कराने के लिए सरकारी तंत्र को रिश्वत देनी पड़ती है किंतु सच्चाई इसके विपरीत है। शायद ही कोई विभाग ऐसा होगा जहां बिना रिश्वत दिए काम हो जाए। सब जगह हालत बहुत खराब है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कैंसर के खिलाफ जंग में जगी उम्मीदें

डॉ. संजय वर्मा

करीब दो साल से यूक्रन से युद्ध में उलझे रूस से यह खबर मिलना हर किसी को विस्मित कर सकता है कि उसने कैंसर जैसे गंभीर मर्ज के खिलाफ एक टीका (वैक्सीन) विकसित कर लिया है। इसका ऐलान खुद रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर ने किया है। रूस के सरकारी मीडिया से मिली इस खबर के आरपार जाएं, तो सवाल उठ सकता है कि आखिर यह टीका कितना असरदार है। इसकी असली परीक्षा तभी होगी, जब बाकी दुनिया को इसके परीक्षण का मौका मिलेगा। लेकिन फिलहाल के दावे के मुताबिक वर्ष 2025 से यह टीका सभी रूसी नागरिकों के लिए मुफ्त में उपलब्ध हो जाएगा।

यह देखते हुए कि भारत समेत पूरी दुनिया को लंबे अरसे तक तकरीबन लाइलाज मानी जाती रही और फिर काफी जटिल चिकित्सा के सहारे कुछ हद तक इससे मुक्ति मिलने लगी है, यहां पहला सवाल टीके की विश्वसनीयता का ही उठ सकता है। एक तरफ जहां हमारे देश में पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू हाल में अपनी पत्नी का भोजन बदलकर प्रभावी आयुर्वेदिक इलाज का दावा कर चुके हैं, लोग पूछ सकते हैं कि क्या रूसी टीका इतना भरोसेमंद होगा कि अगर वह यहां उपलब्ध हुआ, तो आंख मूंदकर लगवा लिया जाए। इस संदर्भ में एक उदाहरण देना प्रासंगिक होगा। कोविड-19 महामारी के तेज वैश्विक प्रसार के दौरान रूस ने वैक्सीन-स्पुतनिक वी का निर्माण किया था, तो खुद सबसे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह टीका लगवाया था। हो सकता है कि इस बार भी पुतिन कुछ ऐसा ही करिश्मा करें और तब दुनिया इस पर यकीन करने लगे कि असाध्य कहलाने की श्रेणी में आने वाली कैंसर नामक बीमारी का आसान तोड़ आखिरकार मिल ही गया है। वैसे यहां उल्लेखनीय यह है कि एक शोध समाचार वेबसाइट- 'द साइंटिस्ट' के मुताबिक करीब डेढ़ दशक पहले न्यूयॉर्क स्थित एक बायोटेक कंपनी ने अप्रैल, 2008 में घोषणा कर दी थी कि उसे रूस में पहली चिकित्सकीय कैंसर वैक्सीन बनाने के लिए मंजूरी मिल गई है।

इसे किसी देश के कैंसर रोकथाम नियामक द्वारा दी गई पहली मंजूरी माना गया था। हालांकि, बाद के दो दशकीय अंतराल में यह नहीं पता चला कि कैंसर टीके के विकास के काम का क्या हुआ। लेकिन इसी साल फरवरी, 2024 में

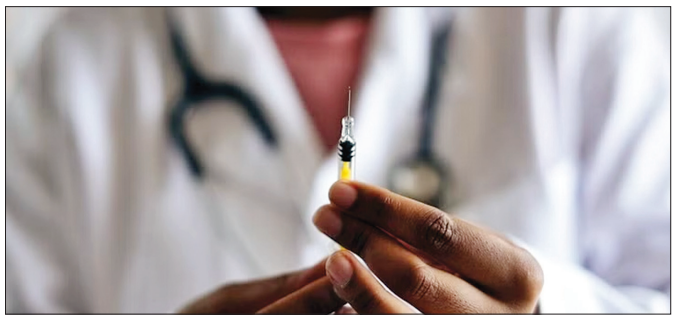

मॉस्को फोरम ऑन फ्यूचर टेक्नोलॉजी प्रोग्राम के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने आश्वासन दिया था कि उनके वैज्ञानिक जल्दी ही दुनिया को कैंसर का टीका उपलब्ध करा देंगे। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ये टीके रूस के बाहर कब से मिलेंगे और कैंसर के किन प्रकारों की रोकथाम करेंगे। जहां तक इस टीके के निर्माण की प्रक्रिया (बनावट) की बात है, तो यह एमआरएनए (यह एक अणु है जो डीएनए से विशिष्ट निर्देश प्राप्त करता है) किस्म की वैक्सीन है। असल में, इस किस्म के पारंपरिक टीके बनाने में बीमारी की रोकथाम के लिए उसी वायरस या मर्ज के रोगाणुओं का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे खुद वह बीमारी पैदा होती है। अंतर सिर्फ यह है कि ऐसा करते वक्त कैंसर कोशिकाओं की सतह से उन हानिरहित प्रोटीन को उठाकर अलग किया जाता है, जिन्हें एंटीजन के रूप में जाना जाता है। ये एंटीजन टीके के निर्माण की प्रक्रिया में चिकित्सकीय परीक्षण (क्लिनिकल ट्रायल) के दौरान इंसानी शरीर में प्रविष्ट कराए जाते हैं और तब इनके सहारे बीमारी के खिलाफ कारगर एंटीबॉडी विकसित करने हेतु शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित किया जाता है। एमआरएनए टीके में संदेशवाहक की भूमिका में आए आरएनए के एक छोटे टुकड़े का उपयोग किया जाता है, जिससे शरीर की कोशिकाओं को कैंसर कोशिकाओं से संबंधित एक विशिष्ट प्रोटीन का उत्पादन करने का निर्देश मिलता है। याद रहे कि कोविड महामारी से लड़ने के लिए इस्तेमाल में लाई गई वैक्सीन कोविशील्ड इसी किस्म का टीका था। वैसे, कैंसर से बचाव और रोकथाम की दिशा में टीका बनाने की कोशिश करने वाले देश के रूप में रूस अकेला नहीं है।

ब्रिटेन और जर्मनी समेत कई अन्य देशों में बायोटेक कंपनियां कैंसर के खिलाफ कारगर दवाएं और टीके विकसित करने में जी-जान से लगी हुई हैं। जैसे ब्रिटिश सरकार जर्मनी की मशहूर फार्मा कंपनी बायोनटेक के साथ मिलकर कैंसर के उपचार के लिए वैक्सीन का क्लिनिकल ट्रायल कर रही है। उम्मीद है कि वर्ष 2030 तक करीब 10 हजार कैंसर मरीज लाभान्वित हो सकते हैं। उधर अमेरिका की मॉडर्ना और मर्क फार्मा कंपनी त्वचा कैंसर की एक प्रायोगिक वैक्सीन पर काम कर रही हैं, जिसके शुरुआती नतीजे सकारात्मक बताए जा रहे हैं। अध्ययन से जुड़े दावों के मुताबिक इस टीके ने तीन साल के इलाज के बाद त्वचा कैंसर के एक घातक रूप-मेलेनोमा के कारण होने वाली मौतों की आशंका को घटाकर आधा कर दिया है।

भारी टैरिफ से वैश्विक व्यापार पर नकारात्मक असर

डॉ. श्याम सखा श्याम

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीत चुके डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत से आयातित वस्तुओं पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का बयान देकर चेताया है। बता दें कि टैरिफ आयातित या निर्यातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला टैक्स है जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नीति का महत्वपूर्ण उपकरण होता है। टैरिफ का उद्देश्य व्यापार को नियंत्रित करना, घरेलू उद्योगों की सुरक्षा प्रदान करना और राजस्व पैदा करना होता है। विगत में ट्रम्प शासन के दौरान, चीन और अन्य व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए टैरिफ का उद्देश्य भी व्यापार असंतुलन को दूर करना, अमेरिकी उद्योगों की रक्षा और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देना था। बेशक इन टैरिफ का उद्देश्य अमेरिकी निर्माताओं और श्रमिकों को लाभ पहुंचाना रहा है, लेकिन इनका असर अमेरिकी उपभोक्ताओं, व्यवसायों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।

मसलन, आयातित चीनी इलेक्ट्रॉनिक्स पर टैरिफ से उनकी कीमत बढ़ जाती है, जिससे उपभोक्ता घरेलू विकल्प खरीदने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। दरअसल, ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में लगाए कई टैरिफ अमेरिकी नागरिकों के लिए कर के रूप में कार्य करते थे। उनसे लागत बढ़ी और व्यवसायों ने इसे उपभोक्ताओं पर डाल दिया। हालांकि, कुछ घरेलू उद्योगों को अल्पावधि में लाभ हुआ, लेकिन यू.एस. अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव मिला-जुला रहा, जिसमें उपभोक्ताओं, व्यवसायों को महत्वपूर्ण लागतों का सामना करना पड़ा। टैरिफ के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ गईं। पीटरसन इंस्टीट्यूट के अनुसार, चीनी आयात पर टैरिफ से औसत अमेरिकी परिवार को सालाना करीब 1,277 डॉलर अतिरिक्त खर्च करना पड़ा। इसके अलावा, अन्य देशों द्वारा कृषि क्षेत्र पर प्रतिशोधात्मक शुल्कों ने अमेरिकी निर्यातकों को और नुकसान पहुंचाया। इन शुल्कों ने वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को बाधित किया, जिससे कारोबार द्वारा निवेश या भर्ती में देरी के कारण आर्थिक अनिश्चितता पैदा हुई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने अल्पकालिक लाभ और चुनौतियों दोनों का सामना किया।

कुछ उद्योगों जैसे स्टील, एल्यूमीनियम और सौर पैनल को विदेशी प्रतिस्पर्धा में कमी के कारण अस्थायी लाभ मिला। मसलन, अमेरिकी इस्पात उद्योग को संक्षिप्त लाभ हुआ, लेकिन इससे अन्य उद्योगों को ऊंची कीमतों का सामना करना पड़ा, जिससे लागत बढ़ी और नौकरियों में कटौती हुई। आयातित घटकों पर निर्भर अमेरिकी निर्माता, जैसे ऑटो और तकनीकी कंपनियों, को भी ऊंची इनपुट लागतों से नुकसान हुआ, जिससे कीमतों में वृद्धि हुई। प्रतिशोधात्मक शुल्कों ने अमेरिकी किसानों, खासकर सोयाबीन, पोर्क और डेरी उत्पादकों को भी प्रभावित किया, क्योंकि चीन जैसे प्रमुख बाजारों ने अमेरिकी निर्यात पर शुल्क लगाया। इससे किसानों को नुकसान हुआ, और अमेरिकी सरकार ने इन नुकसानों की भरपाई के लिए अरबों की सब्सिडी प्रदान की, जिससे संघीय व्यय बढ़ा। ट्रम्प सरकार के टैरिफ ने व्यापार प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया, विशेष रूप से अमेरिका-चीन व्यापार में, जिसके चलते चीन ने जवाबी टैरिफ लगाए। इससे वैश्विक बाजारों में व्यवधान आया और 2018-2019 के दौरान जीडीपी वृद्धि धीमी हो गई। टैरिफ के चलते कुछ देशों ने अमेरिकी उत्पादों की खरीद बंद कर दी। चीन ने सोयाबीन जैसे सामानों के ब्राजील और यूरोपीय संघ से आयात बढ़ा दिया।

चीन जैसे देशों ने टैरिफ के जवाब में अपनी मुद्राओं को कमजोर कर निर्यात लागतों को आंशिक ऑफसेट किया, जिससे वैश्विक आर्थिक तनाव बढ़ा। टैरिफ ने व्यवसायों को उत्पादन के लिए अमेरिका में लौटने या चीन से विविधता लाने को प्रेरित किया, लेकिन अधिकांश कंपनियों ने वियतनाम, मैक्सिको और भारत जैसे कम लागत वाले देशों में परिचालन स्थानांतरित कर दिया। इससे वैश्विक स्तर पर एकतरफा व्यापार कार्रवाइयों को बढ़ावा मिला। टैरिफ युद्धों ने वैश्विक व्यापार प्रणालियों की कमजोरियां उजागर कीं और अमेरिका-चीन तनाव बढ़ा दिया, दोनों इकोनॉमी में विघटन हुआ, जिसका वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धा पर प्रभाव पड़ा। यदि पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प भविष्य में ब्रिक्स देशों पर टैरिफ बढ़ाते हैं, तो इन देशों के आर्थिक आकार और अमेरिकी व्यापारिक संबंधों में बहुत बड़ा आर्थिक और भू-राजनीतिक प्रभाव होगा। इससे वस्तुओं की कीमतें प्रभावित होंगी।

ब्रिक्स देशों से आयातों पर टैरिफ, उपभोक्ता वस्त्र, कच्चे माल और घटकों की लागत बढ़ा देंगे। उदाहरण के लिए, चीनी विनिर्माण पर निर्भरता और ब्राजीलियाई कृषि उत्पादों पर टैरिफ अमेरिकी परिवारों के लिए कीमतें बढ़ा देंगे। इन उच्च लागतों से उपभोक्ता की क्रय शक्ति कम होगी, आय प्रभावित होगी और उपभोक्ता खर्च धीमा पड़ेगा, जो अमेरिकी जीडीपी का लगभग 70 प्रतिशत है। अमेरिकी उद्योगों को कच्चे माल और मध्यवर्ती वस्तुओं के आयात पर निर्भरता के कारण बढ़ी हुई लागतों का सामना करना पड़ेगा। विनिर्माण क्षेत्र, जो चीनी घटकों पर निर्भर है, और ऑटोमोटिव उद्योग, जो ब्राजील, भारत या दक्षिण अफ्रीका से स्टील और एल्यूमीनियम आयात करते हैं, उत्पादन लागत में वृद्धि का अनुभव करेंगे। वहीं भारत के संदर्भ में टैरिफ में वृद्धि से निर्यात-संचालित उद्योगों, विशेष रूप से कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। संभवत: भारत अपनी व्यापार साझेदारी में विविधता लाए और अमेरिकी वस्तुओं पर प्रतिकारात्मक कदम उठाए।

शरीर में लगातार दर्द और थकान है तो हो जायें सावधान आपको हो सकता है

फाइब्रोमायल्जिया

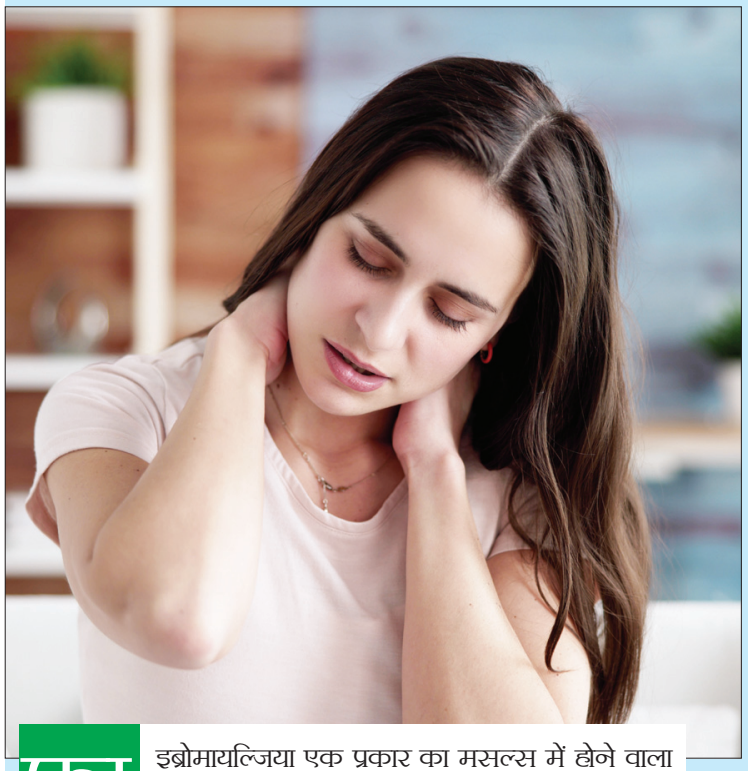

फाइब्रोमायल्जिया एक प्रकार का मसल्स में होने वाला दर्द है। इस डिसऑर्डर में आपको ज्यादा थकान, नींद ज्यादा आना, याददाश्त से जुड़ी समस्या और मूड खराब होने जैसे लक्षण देखने को मिल सकते हैं। यह डिसऑर्डर आपके दर्द वाली सेंसेशन को और बढ़ा देता है और यह आपके दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड द्वारा दर्द प्रोसेस करने वाले तरीके को प्रभावित करता है। इसके लक्षण व्यक्ति व्यक्ति पर निर्भर करते हैं। किसी ट्रामा, सर्जरी या फिर मानसिक स्थिति के कारण इसके लक्षण और अधिक बढ़ सकते हैं। कई केसों में तो लक्षण एक एक करके पता नहीं चलते हैं बल्कि सारे एक साथ जमा हो कर एक बार ही देखने को मिलते हैं। महिलाओं में इस स्थिति का रिस्क पुरुषों के मुकाबले ज्यादा होता है। जिन लोगों को यह डिसऑर्डर होता है उन्हें टेंशन वाला सिर दर्द, जॉइंट डिसऑर्डर आदि भी हो सकते हैं।

लक्षण

इस स्थिति के कारण होने वाला दर्द लगातार धीरे धीरे होता है और यह कई महीनों से हो सकता है। आपके शरीर के दोनों साइड यह दर्द होता है और खास कर आपके पेट के निचले भाग में दर्द ज्यादा होता है। अगर आप अपनी नींद पूरी कर भी लेते हैं तब भी आप सुबह थके हुए उठते हैं। हो सकता है सोते समय आपकी नींद दर्द के कारण डिस्टर्ब हो गई हो और आप बेचैनी से पीड़ति रहे हो । आपके पैर में भी काफी बेचैनी हो सकती है और आप को स्लीप अपनीया का सामना करना पड़ सकता है। इस डिसऑर्डर के कारण आपकी ध्यान लगाने वाली क्षमता भी प्रभावित होती है जिस कारण आप अच्छे से फोकस नहीं कर पाते हैं और मेंटल फोकस करने वाले काम आप सही से नहीं पूरे कर पाते है।

जटिलताएं

अगर आपको यह डिसऑर्डर है तो आप को दर्द, थकान महसूस होना और रात में सोने में परेशानी होना जैसी समस्याओं का सामना ज्यादा करना पड़ सकता है। आप मानसिक रूप से फोकस कर पाने में असमर्थ रहेंगे जिस कारण आप को प्रफेशनल और पर्सनल दोनों तरह के जीवन को बैलेंस कर पाने में भी कठिनाई महसूस होगी।

कारण

इस स्थिति के कई सारे कारण हो सकते हैं जैसे जेनेटिक्स। अगर आपके परिवार में यह स्थिति किसी अन्य व्यक्ति को भी थी तो आपको भी इसका रिस्क ज्यादा हो सकता है। इसके अलावा इन्फेक्शन हो जाना भी इसका कारण हो सकता है और आपके जीवन के कुछ इवेंट्स जिनमें आपको मानसिक तनाव या ट्रामा मिला हो उनके कारण भी यह स्थिति हो सकती है।

रिस्क फैक्टर

महिलाओं में यह स्थिति होने का रिस्क पुरुषों के मुकाबले ज्यादा होता है। अगर आपके माता पिता या भाई बहन में से किसी को यह स्थिति है तो आपको भी इसका रिस्क हो सकता है। कुछ अन्य डिसऑर्डर जैसे ऑस्टियोआर्थराइटिस, रह्यूमटॉइड आर्थराइटिस जैसी स्थिति भी इसका रिस्क फैक्टर हो सकती हैं।

इलाज

आपके डॉक्टर दर्द को ठीक करने के लिए आपकी स्थिति के हिसाब से आप को अलग अलग तरह की दवाइयां दे सकते हैं जैसे एंटी डिप्रेसेंट, पेन रिलीवर, एंटी सीजर ड्रग्स आदि। इसके अलावा आप को मानसिक रूप से ठीक करने के लिए कुछ प्रकार की थेरेपी भी दे सकते हैं जैसे काउंसलिंग आदि। आप को पूरी तरह से दवाइयों पर ही निर्भर नहीं रहना है बल्कि अपनी खुद से भी केयर करनी है और इस स्थिति में घर वालों और दोस्तों का सपोर्ट होना काफी जरूरी है। डॉक्टर अलग अलग तरह के इलाज के बारे में आपको अच्छे से समझा पाएंगे।

हंसना मना है

संजू बड़ा परेशान था, बेचारे की शादी जो नहीं हो रही थी हर बार शादी होते-होते टूट जाती सारे दोस्तों से पूछ लिया लेकिन कोई समाधान नहीं मिला बेचारा एक दिन एक पंडित जी के पास पहुंच गया और बोला- पंडित जी कोई उपाय बताएं मेरी शादी नहीं हो रही हमेशा टूट जाती है। पंडित जी ने कहा-शादी हो जाएगी, लेकिन सबसे पहले तुम लोगों से सदा सुखी होने का आशीर्वाद लेना बंद करो।

टीचर : तुम पढ़ने में ध्यान क्यों नहीं देते हो? छात्र : क्योंकि पढ़ाई सिर्फ दो वजहों से की जाती है...पहला कारण : डर से दूसरा कारण- शौक से और, बिना वजह के शौक हम रखते नहीं और डरते तो किसी के बाप से नहीं।

गर्लफ्रेंड : तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे बॉयफ्रेंड : नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है गर्लफ्रेंड : क्या गलतफलमी? बॉयफ्रेंड : यही, कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में बॉयफ्रेंड की नींद गायब है!

मां : कहां हो बेटी? रिंकी : हॉस्टल में पढ़ रही हूं, एग्जाम बहुत नजदीक हैं, इसलिये बहुत पढ़ना पड़ता है!!! आप कहां हो? मां : थिएटर में ठीक..तेरे पीछे बैठी हूं, ब्रेक में मेरे लिए भी पॉपकॉर्न और कोल्ड ड्रिंक ले आना!

अस्पताल में नर्स से रोमांटिक अंदाज में गोलू बोला... आई लव यू, तुमने मेरा दिल चुरा लिया है। नर्स शर्माकर बोली- चल झूठे दिल को तो हाथ भी नहीं लगाया है, हमने तो सिर्फ किडनी चुराई है गोलू बेहोश!

कहानी — कौवों की गिनती

महाराज कृष्णदेवराय को तेनालीराम से बेढंगे सवाल पूछने में बड़ा ही आनंद आता था। वे हमेशा ऐसे सवाल पूछते जिसका जवाब देना हर किसी को नामुमकिन सा लगता लेकिन तेनालीराम भी हार मानने वाला नहीं था। वो भी महाराज को ऐसा जवाब देता की उन्हें कुछ समझ ही आता की वो आगे क्या पूछे। एक बार महाराज ने तेनालीराम से पूछा, क्या तुम अपने राज्य के कौवों की संख्या बता सकते हो। तेनालीराम ने कहा, महाराज, बिल्कुल बता सकता हूँ । कौवों की बिल्कुल सही संख्या बतानी है, ये नही की अंदाजा लगाकर कुछ भी बता दो। जी महाराज मैं कौवों की बिल्कुल सही संख्या ही बताऊंगा। आप विश्वास रखें। तेनालीराम ने कहा। महाराज बोले, अगर तुमने गलत जवाब दिया तो तुम्हें मृत्युदंड दिया जाएगा। तेनालीराम ने साहस के साथ कहा, महाराज मुझे आपका हुक्म स्वीकार है। तेनालीराम के विरोधी मन ही मन खुश होने लगे। उन्होंने सोचा कि आज तो तेनालीराम बुरी तरह फँस चुका है। भला कौवों की गिनती कैसे की जा सकती है। तभी महाराज ने तेनालीराम से अपने सवाल का उत्तर माँगा। तेनालीराम बोला, महाराज हमारे राज्य में एक लाख बीस हजार पांच सौ पचास कौवे हैं। महाराज ने आश्चर्यचकित होकर पूछा, क्या हमारे राज्य में इतने कौवे हैं? हाँ महाराज, अगर आपको यकीन नहीं तो आप गिनवा के देख सकते हैं। अगर गिनती में कुछ कम-ज्यादा हुए तो। महाराज ने कहा। ऐसा हो ही नहीं सकता। अगर ऐसा हुआ भी तो अवश्य ही हमारे राज्य के कुछ कौवे अपने रिश्तेदारों से मिलने दूसरे राज्य में गए होंगे या फिर दूसरे राज्य के कुछ कौवे हमारे राज्य में अपने रिश्तेदारों में मिलने आए होंगे। इस स्थिति में तो कौवों की संख्या कम-ज्यादा हो सकती हैं। वरना तो नहीं। तेनालीराम का उत्तर सुनकर महाराज निरुत्तर हो गए। तेनालीराम के विरोधी बेचारे हाथ मलते रह गए क्योंकि तेनालीराम ने उनकी खुशी पर पानी जो फेर दिया था।

5 अंतर खोजें

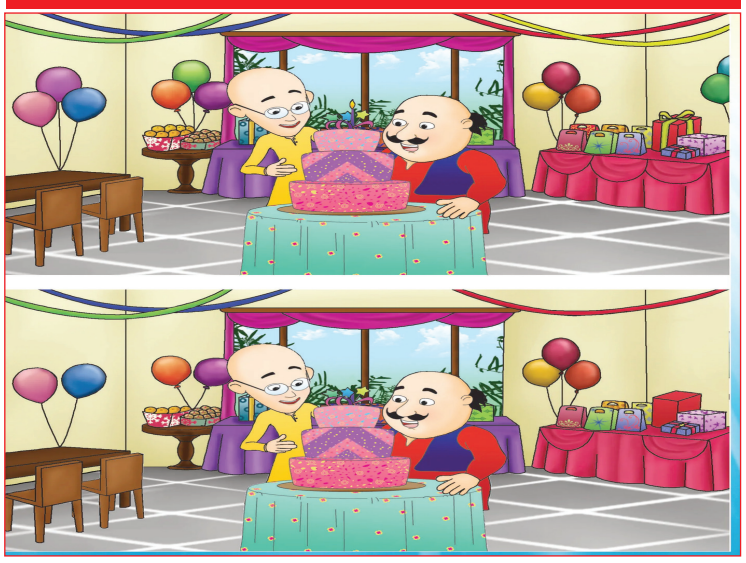

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृषभ — आज स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। व्यापार ठीक चलेगा।

मिथुन — कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

सिंह — प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कन्या — मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला — आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे। आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे।

वृश्चिक — विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

धनु — आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे। आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है।

मकर — आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है। आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं। आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे।

कुम्भ — आज लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मीन — दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

अजय देवगन की फिल्म दे दे प्यार दे-2 की रिलीज डेट हुई फाइनल

बॉलीवुड | मसाला

14 नवंबर 2025 को होगी रिलीज

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा फिल्म दे दे प्यार दे 2 14 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। कुछ रिपोर्टों में पहले दावा किया गया था कि यह अगले साल मई में रिलीज होगी। अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित सीक्वल, जिसका शीर्षक दे दे प्यार दे 2 है, उसमें अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह भी वापसी कर रही हैं। फिल्म में आर माधवन भी होंगे। हालांकि, अभी भी यह पुष्टि नहीं हुई है कि सीक्वल में तब्बू वापसी करेंगी या नहीं। फिल्म निर्माता लव रंजन के बैनर लव फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की रिलीज की तारीख की खबर साझा की। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा गया, #DeDePyaarDew 14 नवंबर 2025 को रिलीज होगी।

दूसरे संस्करण की शूटिंग इस साल जून में मुंबई में पारंपरिक मुहूर्त समारोह के साथ शुरू हुई थी। अनिल कपूर ने पहली ताली बजाकर फिल्म की शूटिंग शुरू की। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं भी दीं। इससे पहले एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी स्क्रिप्ट दिखाते हुए एक तस्वीर शेयर की थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा था, अपने पसंदीदा सेट पर वापस, दे दे प्यार दे 2 शुरू। मई 2019 में रिलीज हुई दे दे प्यार दे की कहानी आशीष (अजय देवगन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक अमीर 50 वर्षीय व्यक्ति है, जिसे आयशा (रकुल प्रीत) से प्यार हो जाता है, जो उसकी उम्र से लगभग आधी है। हालांकि, उनके रिश्ते को उसके परिवार और उसकी पूर्व पत्नी मंजू (तब्बू) पसंद नहीं करते हैं। सीक्वल का निर्माण लव फिल्म्स और भूषण कुमार की टी-सीरीज द्वारा किया जाएगा। रंजन ने अंकुर गर्ग के साथ मिलकर इसकी स्क्रिप्ट लिखी है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से जूझ रही हैं सोनाली सहगल

सोनाली सहगल हाल ही में मां बनी हैं। सोनाली ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। सोनाली सोशल मीडिया पर बेबी के जन्म के बाद लाइफ को लेकर अपडेट भी देती रहती हैं। बेबी गर्ल की अनाउंसमेंट सोनाली ने पति के आशेष के साथ बहुत ही क्यूट पोस्ट शेयर करके दी थी। बेबी गर्ल के जन्म के बाद से सोनाली काफी बिजी हो गई हैं। वो रात को सो भी नहीं पा रही हैं। इसके बारे में सोनाली ने खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया है। सोनाली ने कहा- वो पोस्टपार्टम डिप्रेशन से गुजर रही हैं लेकिन वो इसे मैनेज करना भी सीख रही हैं। उन्हें जितना समय अपने लिए मिलता है वो जरुर निकालती हैं। सोनाली ने एक इंटरव्यू में बताया कि बेबी चाहे सो रही हो और शांत भी क्यों न हो फिर भी वो परेशान रहती हैं। उन्होंने कहा- बेबी को हर 2 घंटे में उठाकर मुझे फीड कराना होता है। ये सब मैनेज करने के लिए हिम्मत कहां से आती है पता नहीं।

सोनाली ने आगे कहा- मुझे लगता है प्रेग्नेंसी के आखिरी महीने में आप इन चीजों के लिए तैयार हो जाते हैं क्योंकि आठवें और नौवे महीने में आपको बार-बार बाथरुम जाना पड़ता है। जिसकी वजह से रात में बार-बार उठना पड़ता है।

बॉलीवुड | मन की बात

लोग चाहते थे कि मैं फेल हो जाऊं : अर्जुन कपूर

इश्कजादे से दर्शकों के बीच लोकप्रियता बटोरने वाले अभिनेता अर्जुन कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब सुर्खियां बटोरते हैं। हालांकि, अभिनेता अपनी फिल्मों को लेकर ट्रोलिंग का भी शिकार होते हैं। अर्जुन कपूर के करियर में कई फ्लॉप फिल्में रही हैं। ऐसे में अब अभिनेता ने नेगेटिविटी फेस करने पर खुलकर बात की है और कहा है कि लोग चाहते हैं कि वह फेल हो जाएं। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने और क्या कहा है। रोहित शेट्टी की निर्देशित सिंघम अगेन में काम करने को लेकर अर्जुन कपूर बोले, मुझे बहुत खुशी हुई जब रोहित सर ने मुझे बताया कि लोग अब मेरे बारे में बात कर रहे हैं और फिल्म के प्रति मेरी जिम्मेदारी को पहचान रहे हैं। यह एक शानदार पल था क्योंकि लंबे समय से लोग चाहते थे कि मैं असफल हो जाऊं। लोगों से मेरा मतलब है कि जो लोग ट्रोल करते हैं, उन लोगों ने मुझे आसान टारगेट की तरह देखा है। अर्जुन कपूर ने यह भी बताया कि लोगों ने खुद से अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि मेरी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं तो मुझे काम करना पसंद नहीं है या सुधार करने में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। लोगों का कहना है कि मैं अभिनेता बनने लायक नहीं हूं। लोगों की इन बातों का मुझ पर और मेरी हेल्थ पर काफी असर पड़ा था। इसके बाद मुझे समझ आया कि लोगों के लिए मैं एक सॉफ्ट टारगेट हूं, जिसके बारे में लोग कुछ भी कह सकते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर की पिछली फिल्म सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप थी। पिछले कुछ सालों में अर्जुन के लिए मुश्किल समय रहा है, उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस और क्रिटिक्स पर अपनी छाप छोड़ने में नाकामयाब रहीं। 2021 में सरदार का ग्रैंडसन और भूत पुलिस, 2022 में एक विलेन रिटर्न्स और 2023 में कुत्ते और द लेडी किलर जैसी फिल्मों को रिलीज होने पर ठंडी प्रतिक्रिया मिली।

लो जी, यहां किराये पर मिल रहे हैं प्रेमी को धमकाने के लिए माफिया

लड़कियों के लिए कई बार हालात तब काबू से बाहर हो जाते हैं, जब उनका पाला किसी ऐसे मर्द से पड़ जाता है, जो बिल्कुल भी सज्जन न हो। ये उनका प्रेमी भी हो सकता है, कोई सहकर्मी या फिर उनका अपना मकान मालिक भी। ऐसे में उनके दिमाग में आता है कि काश, कोई उन्हें इस सिचुएशन से बाहर निकाल देता। ऐसे ही महिलाओं के लिए पड़ोसी देश चीन में एक खास सेवा दी जा रही है- किराये पर माफिया लेने की सर्विस। सुनकर आपको भले ही अजीब लगे लेकिन चीन में ये अनोखी सर्विस चल रही है और डिमांड में भी है। ये सर्विस खास उन लड़कियों की है, जो जालिम मर्दों को डील नहीं कर पा रही हैं और परेशान हो जाती हैं। उनके लिए किराये पर माफिया आएंगे और चुटकियों में प्रॉब्लम का हल दे देंगे। है ना दिलचस्प बात? साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन में एक 'प्रोफेशनल बॉडीगार्ड टीम' काम करती है, जिसे पूरे देश में लोकप्रियता हासिल हो चुकी है। सोशल मीडिया पर इसके लाखों में फॉलोअर्स हैं। काले कपड़ों में सजे टफ लुक वाले ये बॉडीगार्ड्स किसी माफिया से कम नहीं लगते, ऐसे में लोगों ने इन्हें नाम दिया है। व्हाइट माफिया। ये खुद को फीमेल गार्डियंस कहते हैं, जो लड़कियों को मुसीबत से निकालने का काम करते हैं। चीन में लड़कियां धड़ल्ले से इस सर्विस का इस्तेमाल कर रही हैं, जो उनके पूर्व प्रेमी और बदमाश मकानमालिक की अक्ल ठिकाने लगाते हैं। दिखने में वो भले ही खूंखार लगें लेकिन बेहद सज्जन और समझदार होते हैं। ये बॉडीगार्ड सर्विस साल 2018 में सेलिब्रिटीज़ के लिए शुरू की गई थी, जिसमें ज्यादातर रिटायर्ड मिलिट्री ऑफिसर, बिजनेस ओनर और फीमेल बॉक्सर्स शामिल हैं। साल 2022 तक लोग अपनी पर्सनल समस्याओं को सुलझाने के लिए उन्हें संपर्क करने लगे। कंपनी से जुड़ी ली बताती हैं कि इनमें 70 फीसदी लड़कियां होती हैं, जो 25 से 35 साल की हैं। काम के घंटों के हिसाब से उन्हें 50 हज़ार से 1-1.5 लाख तक का चार्ज देना होता है। वे चाहें तो सालभर के लिए भी किसी बॉडीगार्ड को हायर कर सकती हैं। काम बड़ा हो तो चार्ज भी बढ़ जाता है और इन माफियाओं को डेली फिजिकल और लीगल ट्रेनिंग दी जाती है।

अजब-गजब | चमत्कारिक है बैदेही बाबा की कथा!

सांप काटे व्यक्ति को जिंदा कर देता है यह मंदिर

छतरपुर। जिले के महाराजपुर गांव में स्थित प्रसिद्ध मंदिर बिदेही बाबा जहां सर्पदंश के मरीज ठीक होते हैं। मान्यता है कि इस मेले पर जो भी व्यक्ति पहुंचता है उसे सबसे पहले मंदिर पर नारियल पान बताशा चढ़ाना होता है। इसके बाद ही वह मेला घूमता है और सामान खरीदकर घर जाता है।

बैदेही बाबा मंदिर के पुजारी राजकुमार तिवारी` कहते हैं कि यह स्थान राजाओं के जमाने का है। एक राजा ही यहां आए थे और एकांत इस जंगल में रहने लगे। कुछ समय पश्चात उन्होंने जिंदा समाधि ले ली। आज मंदिर भी इसी समाधि के ऊपर बना है। यहां जो भी सर्पदंश का मरीज आता है, ठीक होकर ही जाता है। आज भी उनका आशीर्वाद यहां आने वाले लोगों को मिलता है। बता दें, इस स्थान पर एक नाग देवता भी रहते हैं जिसकी पुजारी ही देखभाल करते हैं।

पुजारी बताते हैं कि यहां 100 साल से मेला लग रहा है। ये मेला पुरखों से लगता आ रहा है। हर दिन इस मेले में हजारों-लाखों श्रद्धालु आते हैं। इस स्थान की मान्यता मान्यता है कि यहां की धरती पर जो भी पग रखता है उसे सबसे पहले बिदेही बाबा महाराज के यहां परिक्रमा लगाना होता है। इसके बाद नारियल पान बताशा चढ़ने की परंपरा है। फिर यहां मेला घूमने की मान्यता है। मेला देखने से ज्यादा लोग यहां बिदेही बाबा महाराज के दर्शन करने आते हैं। इस मेले सिर्फ एमपी से ही नहीं बल्कि यूपी से भी

लोग आते हैं। पुजारी राजकुमार तिवारी के मुताबिक यदि किसी को सांप काट ले तो सबसे पहले बैदेह बाबा की जय बोलकर बालों में गांठ लगा ले, इसके बाद घी-कालीमिर्च पी ले लेकिन पानी नहीं पीना हैं। इसके तुरंत बाद बैदेही बाबा मंदिर आना हैं और बाबा की जय बोलकर परिक्रमा लगाना हैं। कितना भी जहरीले सांप ने काटा हो बाबा उसे बचा लेंगे।

पुजारी राजकुमार के मुताबिक यदि जिंदा हालत में यहां कोई सांप काटे का मरीज आया है तो फिर यहां से जीवित ही गया है। हर दिन सर्पदंश के 20-25 मरीज़ आते हैं और ठीक होकर जाते हैं। कई बार तो रात में भी आते हैं फिर हम भी घर से भागकर मंदिर आते हैं और परिक्रमा लगवाकर उपचार करवाते हैं।

अडानी समूह बिहार के विकास में निभाएगा अहम भूमिका : प्रणव

बिहार बिजनेस कनेक्ट इवेंट 2024 के दौरान कई योजनाओं की घोषणा

» 23000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी कंपनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अडानी समूह बिहार में अपनी विकास योजनाओं पर और 23000 करोड़ रुपये खर्च करेगा। ये घोषणा अडानी समूह समूह की फ़्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के निदेशक प्रणव अडानी ने बिहार बिजनेस कनेक्ट इवेंट 2024 के दौरान की। अडानी समूह बिहार में सबसे बड़े प्राइवेट इंवेस्टर हैं। उन्होंने कहा कि अडानी बिहार में अपनी विकास योजनाओं पर और 23000 करोड़ रुपये खर्च करेगा। अडानी समूह बिहार की विकास यात्रा में अहम भूमिका निभा रहा है। चाहे बात लॉजिस्टिक, गैस डिस्ट्रीब्यूशन और एग्रो लॉजिस्टिक सेक्टर में निवेश की हो या फिर इन सेक्टरों में नौकरियों के नए अवसरों को और बढ़ाने की अडानी समूह शुरू से इस दिशा में निरंतर काम कर रहा है।

हमने पिछली बार आपसे वादा किया था कि हम आपको बताएंगे कि हम बिहार में विकास के लिए क्या कुछ कर रहे हैं, आज मैं आपको इसके बारे में बताने जा रहा हूं। प्रणव अडानी ने कहा कि हम बिहार में तीन सेक्टर में खास तौर पर काम कर रहे हैं ये सेक्टर हैं लॉजिस्टिक, गैस डिस्ट्रीब्यूशन और एग्रो लॉजिस्टिक सेक्टर, हमनें इन सेक्टर पर अभी तक 850 करोड़ रुपये का निवेश किया है, इस निवेश से हमनें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर 25 हजार नौकरियां दी हैं। अब हम 23000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रहे हैं।

हजारों को मिलेगा रोजगार

बिहार में के पांच शहरों (सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर और गोपालगंज में) 28 लाख से ज्यादा स्मॉर्ट मीटर लगाने के लिए हम 2100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया है। इससे हम स्थानीय स्तर पर करीब 4 हजार लोगों को नई नौकरी मिलेगी। पांच महीने पहले हमने बिहार में सीमेंट सेक्टर में भी प्रवेश किया है। हम बिहार में सीमेंट उत्पादन को बढ़ाने के लिए 25000 करोड़ रुपये का निवेश करने की तरफ बढ़ रहे हैं, इस निवेश से हम सालाना 10 मिलियन मेट्रिक टन सीमेंट का उत्पादन कर पाएंगे। इस निवेश से हम करीब 9 हजार नई नौकरियां दे पाएंगे। हमारी योजना है कि हम अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट को बनाने के लिए करीब 20000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रहे हैं, इससे 12 हजार नई नौकरियां बनेंगी।

लॉजिस्टिक, गैस डिस्ट्रीब्यूशन और एग्रो लॉजिस्टिक सेक्टर में 850 करोड़ का निवेश

सीएम नीतीश आपका विजन और दूरदृष्टि अद्वितीय है!

मुख्यमंत्री जी, यह सभा न केवल आपके व्यक्तिगत करिश्मे का प्रमाण है, बल्कि व्यापार जगत का यह भरोसा भी दर्शाती है कि आप और आपकी सरकार बिहार को भारत के सबसे आकर्षक निवेश स्थलों में बदलने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। प्रणव ने कहा 22 साल पहले, जब आप हमारे देश के रेल मंत्री थे, आपने रेलवे टिकट बुकिंग प्रणाली में सबसे बड़ा बदलाव किया स्वचालित सॉफ्टवेयर के माध्यम से। पहले दिन केवल 29 टिकट बुक हुए थे, लेकिन आज प्रतिदिन 13 लाख टिकट बुक होते हैं, जो इसे दुनिया का सबसे व्यस्त ऑनलाइन आरक्षण प्लेटफॉर्म बनाता है। आपके नेतृत्व में बिहार परिवर्तन के रास्ते पर है, विशेष रूप से सुशासन, कारोबार में आसानी, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, सामाजिक सुधार, कानून और व्यवस्था, साक्षरता और शिक्षा, महिलाओं और वंचित वर्गों का सशक्तिकरण, और इस आयोजन के संदर्भ में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास। आपकी दृष्टि ने देश के लिए लाभकारी विकास का एक मॉडल प्रस्तुत किया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए अतिरिक्त 1000 करोड़ रु. खर्च होंगे

प्रणव ने कहा मुझे आपको ये बताते हुए खुशी हो रही है कि हम इसके अलावा राज्य सरकार के साथ मिलकर बिहार में स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए अतिरिक्त 1000 करोड़ रुपये का निवेश करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। इस निवेश के तहत गति शक्ति रेलवे टर्मिनल, कंटेनर डिपो और इंडस्ट्रियल वेयर हाउसिंग पार्क को विकसित किया जाएगा। प्रणव अडानी ने आगे कहा कि इस निवेश से ना सिर्फ हमारे वेयरहाउस की संख्या बढ़ेगी बल्कि इसके साथ-साथ ही हमारी हैंडलिंग क्षमता में भी इजाफा होगा। इसके साथ ही इसकी मदद से हम ईवी सेक्टर में , सीजीडी और सीबीजे स्पेस जैसी जगहों पर हमारी मौजूदगी और बढ़ा पाने में सफल होंगे।

राम मंदिर बना देने से कोई हिंदुओं का नेता नहीं बन जाता: भागवत

» बोले- नये मंदिर-मस्जिद विवादों को उभारना गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एकबार फिर भाजपा व उनके सहसोगियों को आईना दिखाया है। संघ मुखिया ने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उठने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोगों को ऐसा लग रहा है कि वे ऐसे मुद्दों को उठाकर ''हिंदुओं के नेता'' बन सकते हैं। भागवत ने साथ ही नये विवादों के उठने पर भी नाराजगी जताई है। बता दें कि हाल के दिनों में मंदिरों का पता लगाने के लिए मस्जिदों के सर्वेक्षण की कई मांगें अदालतों तक पहुंची हैं, हालांकि भागवत ने अपने व्याख्यान में किसी का नाम नहीं लिया।

भागवत के बयान पर जहां हिंदू संतों ने सधी हुई प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है कि इसे पूरे परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए वहीं मुस्लिम धर्मगुरुओं ने भागवत के बयान का स्वागत किया है। भागवत पहले भी कह चुके हैं कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग ढूंढ़ना सही नहीं है। संघ प्रमुख ने सहजीवन व्याख्यानमाला में 'भारत-विश्वगुरु' विषय पर व्याख्यान दिया, और समावेशी समाज की वकालत की, कहा कि दुनिया को यह दिखाने की जरूरत है कि देश सद्भावना के साथ एक साथ रह सकता है।

नगर आयुक्त एकादश ने जीती ट्रॉफी

» महापौर एकादश को हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ अंतर्गत महापौर एकादश एवं नगर आयुक्त एकादश के बीच क्रिकेट टूर्नामेंट लीग में दमदार मुकाबला देखने को मिला। दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दर्शकों कर मन को मोह लिया। इस अवसर पर महापौर, नगर आयुक्त, सम्मानित पार्षद गण और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। यह टूर्नामेंट नगर निगम के कर्मचारियों/ अधिकारियों व पार्षद गणों के बीच एकता और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने के लिए लगातार आयोजित किया जाता है, उसी क्रम में इस वर्ष भी एक वृहद कायक्रम का आयोजन किया गया।

इस मुकाबले में दोनों टीमों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया और दर्शकों को रोमांचक खेल का आनंद मिला। यह टूर्नामेंट नगर निगम के कर्मचारियों /अधिकारियों व माननीय पार्षद गणों के बीच संबंधों को मजबूत करने में सफल रहा। आज के इस आयोजन में नगर आयुक्त एकादश टीम ने जीत दर्ज कराई। जिसके बाद अनिल सिंह आज के मै न ऑफ मैच घोषित किये गए।

जिन्होंने 41 रन बनाए और दो विकेट लेकर जीत दर्ज कराई। साथ ही मैन ऑफ द टूर्नामेंट अवर अभियंता विकास सिंह जी को घोषित किया गया। कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार को टूर्नामेंट के सफल आयोजन हेतु वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

अगले वर्ष नगर निगम के स्टेडियम में होंगे मैच : महापौर

इस दौरान महापौर सभी को संबोधित कर कहा गया कि अगले वर्ष ये प्रयास किया जाएगा कि इस टूर्नामेंट को नगर निगम के द्वारा बनाये गए स्टेडियम में सम्पन्न कराया जाए।इसके लिए जमीन का चिन्हांकन किया जा रहा है जैसे ही भूमि मिलेगी स्टेडियम निर्माण का कार्य शुरु कर दिया जाएगा। साथ ही महापौर ने कहा कि अगली प्रतियोगिता में नगर निगम में तैनात महिला कर्मचारियों एवं महिला पार्षद गणों के बीच भी किन्ही प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाएगा।

भारतीय महिला टीम ने 2-1 से जीती सीरीज

» अंतिम टी20 मैच में विंडीज को 60 रन से दी मात

» भारत ने बनाया टी20 में अपना सबसे बड़ा स्कोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को तीसरे और अंतिम टी20 मैच में रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मैचों की टी20 सीरीज पर 2-1 से कब्जा जमा लिया। गुरुवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में चार विकेट पर 217 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर सिर्फ 157 रन ही बना सकी।

इस तरह भारत ने यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 22 दिसंबर से शुरू होगी। इस सीरीज में भी भारतीय टीम मेहमानों पर शिकंजा कसने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। स्मृति मंधाना के लगातार तीसरे अर्धशतक और ऋचा घोष के टी20 में सबसे तेज अर्धशतक की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 में अपना सबसे बड़ा स्कोर बना डाला। भारत ने चार विकेट पर 217 रन बनाकर यूएई के खिलाफ बनाए गए पांच विकेट पर 201 रन के स्कोर को पीछे छोड़ दिया। दूसरे विकेट के लिए मंधाना ने जेमिमा रोड्रिग्स (39) के साथ 55 गेंद में 98 रन की साझेदारी की। इसके बाद उन्होंने राघवी बिष्ट (नाबाद 31) के साथ तीसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़े। पावरप्ले में भारत ने एक विकेट पर 61 रन बनाए, जिसमें मंधाना का योगदान 38 रन का था।

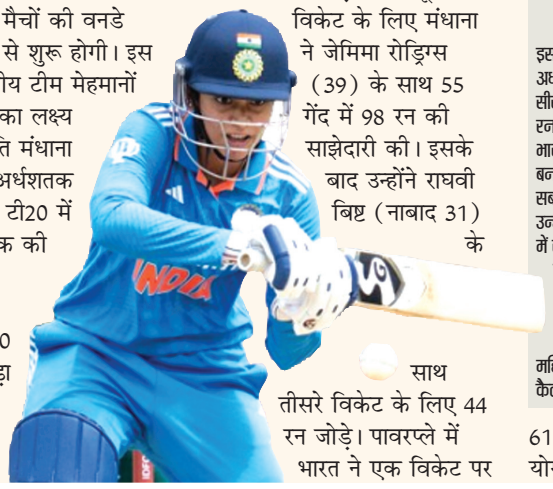

मंधाना ने तोड़े एक साथ कई रिकॉर्ड

इस सीरीज में मंधाना को लगातार तीन मैचों में अर्धशतकीय पारी खेलने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज के अवॉर्ड से नवाजा गया। उन्होंने कुल 193 रन बनाए। जो द्विपक्षीय टी20 सीरीज में किसी भारतीय महिला द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया है। भारतीय बल्लेबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने 763 रन बनाए। मंधाना ने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार 50+ रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। स्मृति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 77 रन किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर बनाया। मंधाना एक कैलेंडर वर्ष में 100 या उससे अधिक चौके लगाने वाली पहली महिला बल्लेबाज बन गईं। अब उनके नाम एक कैलेंडर वर्ष में 104 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है।

लखनऊ नॉर्दर्न रेलवे में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल की गई। इमरजेंसी हालात और हादसे से निपटने के लिए मॉक ड्रिल में कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस मॉक ड्रिल को पुलिस व राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) ने अंजाम दिया है। इसमें कर्मियों ने ट्रेनों में एक्सीडेंट व आग लगने की घटनाओं से निपटने का रिहर्सल किया।

मुद्दे से भटकाने के लिए बीजेपी ने रची साजिश

» धक्का कांड पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले- भाजपा के खिलाफ चलाएंगे अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहलु गांधी ने सत्तारूढ़ दल भाजपा पर ऐसी विचारधारा का पालन करने का भी आरोप लगाया जो अंबेडकर विरोधी और संविधान विरोधी है। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हालिया टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, गांधी ने भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को कमजोर करने के लिए भाजपा की आलोचना की। भाजपा के कार्य और नीतियां मौलिक रूप से समानता, न्याय और लोकतंत्र के उन मूल्यों के विपरीत हैं। संसद में बढ़ते तनाव के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद परिसर के भीतर हुई कथित हाथापाई को संबोधित करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला किया, और सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों पर संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने के विपक्ष के प्रयासों में जानबूझकर बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सरकार राष्ट्रीय चिंताओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है। गांधी ने भाजपा पर संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े मामले से ध्यान भटकाने के लिए संसद में व्यवधान पैदा करने का भी आरोप लगाया। गांधी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने इस मामले पर चर्चा को दबाने और अनावश्यक विवाद पैदा करने के लिए जानबूझकर प्रयास किए।

नेहरू व अंबेडकर को गाली देने से पहले तथ्यों को देखें गृहमंत्री : खरगे

राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार और खासकर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह डॉ. बीआर अंबेडकर के बारे में जो बयान दे रहे हैं, वह बहुत दुखद है और उन्होंने (अमित शाह) कल तथ्यों को देखे बिना ही प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। जवाहरलाल नेहरू, डॉ. बीआर अंबेडकर को गाली देने से पहले उन्हें तथ्यों को देखना चाहिए।

राहुल गांधी का रवैया अहंकारपूर्ण : अनुराग

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, राहुल गांधी का जो अहंकार कल देखने को मिला और अपने साथी सांसदों का प्रति जो उनका रवैया था वो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सब नियमों का उल्लंघन करके, जो तय रास्ता था वहां से जाने के बजाय जान-बूझकर दलबल को साथ में लेकर जिस तरह से उन्होंने हुड़दंग मचाया है। यह माफी लायक नहीं है। एक नेता प्रतिपक्ष क्या इस सोच के साथ जा सकता है? जब उन्हें(राहुल गांधी) घायल के पास लेकर गए तो हाल चाल पूछना छोड़िए, माफी मांगना छोड़िए उनके चेहरे पर अहंकार नजर आ रहा था। उनका (राहुल गांधी) बयान था कि धक्का-मुक्की तो होती रहती है। इससे स्पष्ट होता है कि उनकी सोच है कि किसी के साथ कुछ भी कर दो, हमें तो कुछ होने वाला नहीं है।

जयपुर में दर्दनाक हादसा अग्निकांड में आठ की मौत

» लोस अध्यक्ष व गृहमंत्री ने जताया शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के लिए शुक्रवार का दिन काला दिन साबित हुआ। जयपुर में शुक्रवार की सुबह मौत का तांडव देखने को मिला। जयपुर के भांकरोटा इलाके में शुक्रवार सुबह हुए हादसे ने सबको हिलाकर रख दिया। हादसे के चश्मदीद संदीप सिंह राठौड़ ने बताया कि जहां हादसा हुआ है, वहां सड़क पर गलत कट दिया गया है। इसी कट की वजह से हादसा हुआ है। यहां पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। कुछ दिन पहले भी एक दुर्घटना इसी जगह पर हुई थी।

40 से ज्यादा गाड़ियां खाक घायलों की हालत नाजुक

उसमें भी गैस टैंकर था। अगर उस घटना से सीख ले ली गई होती तो फिर आज का हादसा ना होता। अग्निकांड में एक बस पूरी तरह से जल गई है। पुलिस कमिश्नर बीजू जोसेफ से ने बताया कि रास्ते को साफ करने का काम चल रहा है। कुछ ही घंटों में सब कुछ क्लीयर हो जाएगा। करीब 42 लोगों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे को हुए कई घंटे बीत चुके हैं। अब तक हादसे में आठ लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है। घायलों की हालत नाजुक है। मौके पर करीब 300 से ज्यादा सिविल डिफेंस के जवान मोर्चा संभाले हुए हैं। वहीं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने हादसे को लेकर कहा- जयपुर-अजमेर हाईवे पर एक गैस टैंकर में विस्फोट के चलते हुए हादसे में कई लोगों के हताहत होने का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। पीड़ा की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। वहीं केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा- राजस्थान के जयपुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दु:खद है। इस हादसे में अपना जीवन गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूं। इस संबंध में मुख्यमंत्री भजनलाल से बात हुई। स्थानीय प्रशासन घायलों को तुरंत उपचार प्रदान करने का काम कर रहा है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

फोटो :4 पीएम

धरना सरकार की दिव्यांग विरोधी नीतियों और लेखपाल भर्ती सहित अन्य सरकारी नौकरियों में वरीयता की मांग को लेकर दिव्यांग जनों ने हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन किया।

हरियाणा के पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला का निधन

» पीएम समेत कई नेताओं ने व्यक्त किया शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुरुग्राम। हरियाणा के पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला का शुक्रवार को निधन हो गया। गुरुग्राम मेदांता में उन्होंने दोपहर करीब 12 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन पर पीएम मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे समेत कई नेताओं दुख प्रकट किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चौटाला के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा है कि हरियाणा की राजनीति में ओमप्रकाश चौटाला का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

डीएनडी फ्लाईवे पर नहीं लगेगा टोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-नोएडा को जोड़ने वाले डीएनडी फ्लाईवे पर टोल वसूलने पर रोक बरकरार रहेगी। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर निजी कंपनी की याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट के फैसले से डीएनडी से गुजरने वाले लाखों वाहन चालकों को मिल रही राहत बरकरार रहेगी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में निजी कंपनी के डीएनडी फ्लाईवे पर टोल वसूलने से रोक लगाई थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।